

ग्रीष्म कालीन अवकाश गृह कार्य , कक्षा बारहवीं , विषय – हिंदी

1	आदिकालीन हिंदी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना	AYUSH YADAV
2	भक्तिकालीन हिंदी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना	ABHAY KUMAR SAHU
3	. भारतेन्दु युगीन हिंदी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना	ADITYA AGRAWAL
4	द्विवेदी युगीन हिंदी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना	ANCHAL DWIVEDI
5	छायावादी हिंदी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना-	ANCHAL VERMA
6	प्रयोगवादी हिंदी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना	ANUSHKA SINGH
7	नई कविता में राष्ट्रीय चेतना	ANUSHKA SINGH
8	समकालीन हिंदी कविता में राष्ट्रीय चेतना	ARMAN KUMAR CHOURASIYA
9	हिंदी उपन्यासों में राष्ट्रीय चेतना	ASHWEEN SINGH
10	हिंदी कहानियों में राष्ट्रीय चेतना	AYUSH KUMAR
11	हिंदी नाटक एवं एकांकी में राष्ट्रीय चेतना	BHOOMIK KUMAR VERMA
12	लोक साहित्य में राष्ट्रीय चेतना	DINESH SINGH PAV
13	16 महादेवी वर्मा की रचना में नारी अस्मिता	GOURANG AGRAWAL
14	मुंशी प्रेमचंद की रचना साहित्य में कृषक (किसान) जीवन	ISHA CHOUDHARY
15	स्त्री विमर्श के सन्दर्भ में आलोआंधारि और भक्तिन पाठ का तुलनात्मक अध्ययन	KUSHDEEP SINGH
16	. हिन्दी साहित्य में रस और अलंकार का महत्व	MAHI JIVNANI
17	हिंदी साहित्य में स्त्री विमर्श का महत्व	OMKAR SARTHI
18	प्रयोगवादी हिंदी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना	PRATHAM PRATAP TIWARI
19	नई कविता में राष्ट्रीय चेतना	PRIYANSHU YADAV
20	हिंदी कहानियों में राष्ट्रीय चेतना	SOURABH KUMAR SHRIVASTAVA
21	हिंदी नाटक एवं एकांकी में राष्ट्रीय चेतना	SHARMISTHA SINGH
22	29 लोक साहित्य में राष्ट्रीय चेतना	SHEETAL
23	महादेवी वर्मा की रचना में नारी अस्मिता	SNEHA CHOUDHARY
24	हिन्दी साहित्य में रस और अलंकार का महत्व	PRASANSHA AGRAWAL

1	भक्तिकालीन हिंदी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना	AKASH DUBEY
2	आदिकालीन हिंदी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना	AKSHAT VERMA
		AKSHAY VERMA
3	मुंशी प्रेमचंद की रचना साहित्य में कृषक (किसान) जीवन	
4	छायावादी हिंदी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना-	ANIKET UPADHYAY
5	प्रगतिवादी हिंदी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना	ANUJ PRAJAPATI
6	द्विवेदी युगीन हिंदी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना	BHAVYA PATEL
7	समकालीन हिंदी कविता में राष्ट्रीय चेतना	DEVESH SINGH PARIHAR
8	स्त्री विमर्श के सन्दर्भ में आलोआंधारि और भक्तिन पाठ का तुलनात्मक अध्ययन	DHRUV KUMAR MISHRA
9	हिंदी उपन्यासों में राष्ट्रीय चेतना	FIZA ANSARI

10	हिंदी साहित्य में स्त्री विमर्श का महत्व	PREETI PRADHAN
11	नई कविता में राष्ट्रीय चेतना	PRITAM SINGH ARMO
12	हिन्दी साहित्य में रस और अलंकार का महत्व	SAKSHAM CHATURVEDI
13	हिंदी कहानियों में राष्ट्रीय चेतना	SAKSHI PANDEY
14	हिंदी उपन्यासों में राष्ट्रीय चेतना	SIDDHARTH MAHIDIYA
15	हिंदी नाटक एवं एकांकी में राष्ट्रीय चेतना	TANISHK HASAN
16	लोक साहित्य में राष्ट्रीय चेतना	TASLIM RIZVI

नोट-

परियोजना कार्य 2000 से 2500 शब्दों तक का हो। उसमें चित्र अनिवार्य है। सन्दर्भों का यथास्थान प्रयोग करें। परियोजना कार्य भेजने से पूर्व भाषागत, तथ्यगत एवं व्याकरणिक अशुद्धियों त्रुटियों को भली-भांति जांच लें। आलेख के अंत में अपना नाम, कक्षा, वर्ग, विद्यालय का पता अवश्य लिखें।

